



॥ स्वामिश्री ॥

गुरुहरि साहेबदादांना प्रागट्यमंगले आपणा दिव्य ज्वननो अर्घ्य अर्पण करीजे !

प्रभुना प्रिय अने परम दिव्य सर्व संतो तथा अक्षरमुक्तो,

भावभर्या ज्य श्री स्वामिनारायण !

आ वर्षे १४ मार्च - धुणेटी महापर्वे आपण सौ भेगा मणी संतभगवंत साहेबजना ८६मा प्रागट्यमंगल पर्वे आपणा हृदयनां भाव-
भक्ति, सेवा अने उमंग अर्पण करवा तपोभूमि ब्रह्मज्योति, मोगरी अेकत्रित थर्शुं.

आपणां सौनां ज्वननां प्रगट गुरुहरि संतभगवंत साहेबजनुं अनन्य स्थान छे तथा तेओश्रीनुं आपणां ज्वननां अवर्णनीय अने
अद्वितीय सर्व प्रकरनुं दिव्य प्रदान छे. आपणी आध्यात्मिक प्रगति तथा लौकिक ज्वननां सुभ-शांति तेओनी प्रार्थना अने आशीर्वादाना
सुख स्वरूपे भगवाननी कृपाथी आपणाने प्राप्त थर्छे.

प्रगट गुरुहरि संतभगवंत साहेबदादानुं ऋण आपणो तो शुं चूकवी शकीजे ? छतां आपणा सौनी लांगडथव रूपे गुरुहरि साहेबदादा राज
थाय तेवुं ज्वन जववाइपी अर्घ्य व्यक्तिगत रूपे अने सामूहिक मंडण - प्रदेश रूपे अर्पण करी शकीजे ?

आवा भावथी आप सौने विनम्रभावे सूचन अने प्रार्थना करवानी लागणी थाय छे :

१. आपणा मंडण-प्रदेशना प्रादेशिक संतोनां मार्गदर्शन अनुसार आपणो आपणा मंडण-प्रदेशनी सर्व सत्संगसभाओमां
संतभगवंत साहेबजना प्रागट्यदिन निमित्ते तेओना मलिमानी अने आपणां ज्वननां तेओनां अनुभवदर्शनना मालात्म्यनी
कथा-वार्ता करीजे. बाणको, युवानो, युवतीओ, भलेनो, गृहस्थ हरिभक्तो सहित सौ कोठ पोतपोतानी सत्संगसभामां संतभगवंत
साहेबजना प्रागट्योत्सवने अनेकविध स्वरूपे पोतानी सर्जनशीलतानो भक्तिपूर्णा उपयोग करी ओजवे तेवी प्रार्थना छे.
२. प्रगट गुरुहरि संतभगवंत साहेबदादा प्रति आपणा धन्यभावपूर्णा अर्घ्य रूपे आपणो व्यक्तिगत रीते अने मंडणमां सामूहिक रीते
कोठ अेक अथवा अेकथी वधारे अेवा नियम/प्रतिज्ञा लर्छे, जेनां प्रामाणिक पालन द्वारा आपणुं शेष ज्वन गुरुहरि साहेबदादा राज
थाय तेवुं अने. आ नियम/प्रतिज्ञा विशे प्रादेशिक संतो अने सद्गुरु परम पूज्य अश्विनदादानां मार्गदर्शन पण मेणवी शकाय.
३. संतभगवंत साहेबजना ८६मा प्रागट्यमंगलना महोत्सव प्रसंगे आपणा मंडण/प्रदेश तरइथी श्री ठाकोरज महाराजने सेवा स्वरूपे
सौ साथे मणीने कंठक अर्पण करी शकीजे ? उदाहरण तरिके मंडणना/प्रदेशना प्रत्येक व्यक्ति/परिवारनां यत्किंचित आर्थिक योगदान
द्वारा श्री ठाकोरज महाराजना थाणनी वार्षिक तिथि माटे नियत राशि आपणा मंडण अथवा प्रदेश तरइथी अर्पण करी शकाय.

आवो... ! आपणा प्राणाधार संतभगवंत साहेबजने राज करवा आपणा दिव्य ज्वनरूपी अने संप-सुहृद्भावथी अेकत्रित थयेवी सेवाना
अर्घ्य अर्पण करी श्री ठाकोरज महाराजनी कृपाशिष प्राप्त करीजे. ◆

२३ जून्युआरी २०२५

ब्रह्मस्वरूप योगीज महाराज शाश्वत स्मृतिदिन

~ स्वामिश्री... ~ साधु मनोजदास